भारतीय जनता पार्टी

केन्द्रीय कार्यालय

11, अशोक रोड, नई दिल्ली – 110 001

दूरभाष : 011–23005700 फैक्स : 011.23005787

दिनांक 11 फरवरी, 2013

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद
श्री प्रकाश जावड़ेकर द्वारा दिया गया प्रेस वक्तव्य

भारतीय जनता पार्टी ने भारतीय संसद पर 2001 में हुए हमले के प्रमुख साजिशकर्ताओं में से एक अफजल गुरु को फांसी देने पर जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की ''बाद में की गई अतिरिक्त टिप्पणी'' की निंदा की है।

''मीडिया को अपने जहर घोलने वाले इंटरव्यू में, श्री उमर अब्दुल्ला ने अफजल गुरु के प्रति सहानुभूति दिखानी शुरु कर दी। उन्होंने उसे "43 वर्ष का युवा'' बताया, वह यह भूल गए कि संसद पर हमले में मारे गये नौ में से छह की उम्र अफजल से भी कम थी।'

अपने सनसनीखेज इंटरव्यू में मुख्यमंत्री ने यह कहकर उच्चतम न्यायालय के आदेश को चुनौती दे डाली है कि फैसला ''परिस्थितिजन्य सबूतों पर निर्भर था और समाज के सामूहिक अन्तःकरण को संतुष्ट करने के लिए सजा दी गई।'' वह आसानी से भूल गए कि उच्चतम न्यायालय ने 4 अगस्त, 2005 को अपने 271 पन्नों के फैसले में कहा था ''संसद पर हमले की आपराधिक साजिश में अफजल गुरु के शामिल होने के बारे में लेशमात्र भी संदेह नहीं है और सबूतों से पता लगता है कि हमले को अंजाम देने के काम में वह काफी सक्रिय था।'' उच्चतम न्यायालय ने यह भी कहा था कि ''हमले में शामिल होने को छोड़कर, उसने इस क्रूर मिशन को अंजाम देने के लिए सब कुछ किया।''

अपने इंटरव्यू में श्री अब्दुल्ला ने ''घाटी में लोगों के अलग–थलग पड़ने की भावना'' की चर्चा की है जो वास्तव में घाटी में साधारण मुसलमानों का अपमान है। यह साधारण मुसलमानों को आतंकवादियों और राष्ट्र विरोधी तत्वों की श्रेणी में लाने के बराबर है।

उनका यह दावा बहुत गंभीर है '' कश्मीर में नई पीढ़ी की पहचान अफजल गुरु से होगी।'' भाजपा कश्मीरी युवकों के अपमान की कड़े शब्दों में निंदा करती है और उसे विश्वास है कि कश्मीरी युवक आज अपनी पहचान क्रिकेटर परवेज रसूल और आईएएस के टॉपर शाह फैजल से बनाएंगे न कि अफजल गुरु जैसे आतंकवादी से।

भाजपा यह भी मांग करती है कि कांग्रेस स्पष्ट करे कि क्या वह जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री की बात से सहमत है या उसका विरोध करती है, जो यूपीए की एक सहयोगी है।

<u>इलाहाबाद में भगदड़</u>

भाजपा ने महाकुंभ के दौरान मची ''टालने योग्य भगदड़'' में 40 लोगों के मारे जाने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। भाजपा लोगो के मारे जाने पर संवेदना व्यक्त करती है और इस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में घायल लोगों के तेजी से स्वस्थ्य होने की कामना करती है।

भाजपा केन्द्र और उत्तर प्रदेश सरकार के दूसरे पर दोष मढ़ने के खुल्लम–खुल्ला प्रयास की कड़े शब्दों पर निंदा करती है। रेल मंत्राल और उत्तर प्रदेश सरकार इस दुर्घटना के लिए बराबर जिम्मेदार हैं क्योंकि मौनी अमावस्या पर वहां भारी भीड़ जुटने की उम्मीद थी।

यह भगदड़ इस बात की याद दिलाती है कि सरकार इस तरह की दुर्घटना को रोकने के लिए कारगर ऐहतियाती उपाय करने में विफल रही।

सबसे बड़ी चुनौती यह है कि देशभर में दुर्घटना मुक्त तीर्थयात्रा के लिए विश्वसनीय और आसान योजना बनाई जाए।

भाजपा मांग करती है कि इस दुर्घटना की स्वतंत्र जांच कराई जाए और मृतकों के परिवार वालों को तत्काल मुआवजा दिया जाए।

<u>पर्यावरण संबंधी लाइसेंस राज</u>

यूपीए के शासन में इंस्पेक्टर और लाइसेंस राज विभिन्न परियोजनाओं को पर्यावरण की मंजूरी के रुप में वापस लौट आया।

सरकार ने विकास संबंधी सभी परियोजनाओं को तेजी से मंजूरी देने के लिए राष्ट्रीय निवेश बोर्ड गठित किया। लेकिन हकीकत में पर्यावरण मंजूरी प्रमुख बाधा बन गया। प्रधानमंत्री कार्यालय और पर्यावरण मंत्रालय के आश्वासनों के बावजू सच्चाई यह है कि उद्योग को नये ''पर्यावरण लाइसेंस राज'' का सामना करना पड़ रहा है।

यह देश के तेजी से विकास के हित में नहीं है। सरकार इस मुद्दे पर विभिन्न दिशाओं में आगे बढ़ रही है और यही कारण है कि संकट बना हुआ है।

इस महत्वपूर्ण विषय पर सरकार के विभिन्न अंगों के बीच आम सहमति बनाने की जरुरत है ताकि अंतर्राष्ट्रीय दबाव से बचा जा सके जो भारतीय निर्यात की लागत प्रतिस्पर्धा को प्रभावित कर रही है।

ओ. पी कोहली
मुख्यालय प्रभारी